RAJYA SABHA

Monday, the 15th May, 2006/25 Vaisakha, 1928 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

RE-DEMAND FOR SUSPENSION OF QUESTION HOUR

MR. CHAIRMAN: Questions. ...(*Interruptions*)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सभापति जी, मैंने एक नोटिस दिया है।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): मैंने भी दिया है।

श्री सभापति: मेरे पास डा॰ मुरली मनोहर जोशी, श्री अहलुवालिया जी और लीडर ऑफ द अपोजीशन के नोटिस हैं।

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ (Madhya Pradesh): We have given a notice. ...(*Interruptions*)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: जसवन्त सिंह जी बोलेंगे। क्वैश्चन आवर सस्पेंड किया जाए।

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): सर, मुझे एक बात कहनी है।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: बैठिए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: आप चुप बैठो ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए, पहले मुझे सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...आप एक मिनट बैठ जाइए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, हमको आश्वासन चाहिए कि इनके बोलने के बाद क्वैश्चन आवर चलेगा ...(व्यवधान)...हमको आश्वासन चाहिए। कि जसवन्त बाबू के बोलने के बाद क्वैश्चन आवर चलेगा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: कोई रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। Nothing will go on record.

प्रो॰ राम देव भंडारी:*

श्री सभापति: कोई बात रिकॉर्ड पर नहीं गयी है ...(व्यवधान)... कोई बात रिकॉर्ड पर नहीं गयी है ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)...

श्री एम॰ वेंकैया नायडु:*

श्री सभापति: आप भी नहीं बैठ रहे हैं। ...(व्यवधान)... आप भी नहीं बैठ रहे हैं।

श्री यशंवत सिन्हा:*

श्री सभापति: माननीय सदस्य, मेरी बात सुन लीजिए। क्वैश्चन आवर पोस्ट्पोन करने के लिए मुझे लिखकर दिया गया है। क्वैश्चन आवर क्यों पोस्ट्पोन किया जाए, इस बारे में लीडर ऑफ द अपोजीशन कुछ समय बोलना चाहते हैं। उसमें आपको क्या आपत्ति हो सकती है?

प्रो॰ राम देव भंडारी:*

श्री सभापति: आप बैठिए। यह मत करिए। ...(व्यवधान)...एक मिनट बैठिए। ...(व्यवधान)...अब मैं खड़ा हूं, कृपया बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य बैठें। मेरी बात सुनें। मैं मौका दूं या न दूं, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं ...(व्यवधान)... please take your seat. ...(*Interruptions*)... आप बैठिए। मेरी बात तो सुनिए। आप मुझे नहीं सुनेंगे? आप मुझे सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... बैठ जाओ। मैं इतनी सी बात कह रहा था कि आप को भी जानकारी मिले कि क्वैश्चन आवर क्यों पोस्ट्पोन कराना चाहते हैं। ...(व्यवधान)... पहले आप को जानकारी मिल जाये कि क्वैश्चन आवर क्यों पोस्ट्पोन कराना चाहते हैं। मैं उस पर निर्णय कर दूं। ...(व्यवधान)... please take your seat. ...(*Interruptions*)... This is not fun. ...(*Interruptions*)... Please take your seat. ...(*Interruptions*)... This is not the matter. ...(*Interruptions*).... इसलिए यह जो बोल रहे हैं, बोलने दीजिए। फिर अगर आप को कोई रिएक्शन हो कि नहीं किया जाए, तो मैं बैठा हूं। मैं भी देखूंगा कि किया जाए या नहीं किया जाए। ...(व्यवधान)...फिर अगर कोई नोटिस दे, और बोलने न दिया जाए तो इस का मतलब यह हुआ कि नोटिस देने के बाद कोई बोल ही नहीं सकता। ...(व्यवधान)... कोई सवाल नहीं है, इतना तो ध्यान रखें। ...(व्यवधान)... लीडर ऑफ द अपोजीशन खड़े होकर बोल रहे हैं। वे क्यों बोल रहे हैं क्योंकि उन्होंने नोटिस दिया है। उन्होंने नोटिस क्यों दिया है, इस पर ...(व्यवधान)... आप एक मिनट बैठ जाइए ...(व्यवधान)... उन्होंने नोटिस दिया है। वे नोटिस पर बोलना चाहते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि कोई भी मुझे नोटिस दे दे, तो नोटिस देने के ऊपर, कि क्यों नोटिस दिया, उस पर जिक्र नहीं कर सके, जब इस तरह की बात आ गई तो किसी नोटिस के मामले में लेने की आवश्यकता ही नहीं है ...(व्यवधान)... यही तो मैं कह रहा हूं कि उन्होंने

*Not recorded

नोटिस दिया है। उन्हें यह बताना है कि क्यों नोटिस दिया है। आप वह सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... आप चुप रहिए ...(व्यवधान)... आप एक मिनट सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Mr. Chairman, Sir, the notice for suspension of Question Hour was never an ordinary event and I personally have never treated it as a casual notice that should be given. We are all persuaded that a situation has arisen in which there is a need to suspend the Question Hour and for a discussion to commence immediately, the discussion should be attended and responded to, either by the Leader of House himself or by the distinguished Home Minister or by the Leader of the other House because what we are subject to today, Sir, in Doda—I won't cite the earlier incidents because they then become a matter of discussion---that thirty-six of our citizens were killed. Thereafter Sir, as BJP undertook a Dharna in Doda in protest against the killings for those killings were acts of terrorism. Thereafter again on that Dharna itself, a grenade attack takes place at 11.30 in the morning. What are we withessing, Sir? It is my submission to you and to the House in utmost seriousness that what we are witnessing today in Doda and have been witnessing deliberately over the years is a combination of virtually a four- fold attack. We are subject, Sir, to a genocide, we are subject simultaneously to ethnic cleansing, we are subject for both these through the acts of terrorism and the fourth, Sir, which is really most distressing and most painful, which above all warrants a discussion and clarifications and recommendations from the Government are what...

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka) : After the Question Hour he can take it up.

SHRI S.S. AHLUWALIA: What is this? (*Interruptions*)

SHRI JANARDHANA POOJARY: There are more important subjects here. (*Interruptions*) We have got important subject here. After the Question Hour, we can take it up. (*Interruptions*)

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए। ...(व्यवधान)... आप बैठिए। ...(व्यवधान)... आप बैठिए, बैठिए ...(व्यवधान)... वह ठीक है ...(व्यवधान)... Okay, thank you. Thank you all for this sort of cooperation.

SHRI JASWANT SINGH: I think in temperance when we are faced with a situation of such violence is not possibly the best reaction. Sir, the fourth element that I spoke of is genocide. We are witness now to ethnic

cleansing. We are subject there to terrorism and the fourth, which is really most distressing, is the attitude, firstly, of the Chief Minister and thereafter of the Home Minister. It is possibly...(*Interruptions*)...It is...(*Interruptions*)...

SHRI JAI PRAKASH AGGARWAL (NCT of Delhi): Sir, I am on a point of order. (*Interruptions*)

श्री सभापति: कोई प्वायंट ऑफ ऑर्डर नहीं है। ...(व्यवधान)... बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

No point of order. (*Interruptions*) No point of order. (*Interruptions*) Nothing will go on record. (*Interruptions*) There is no point of order. Please take your seat. (*Interruptions*) Please take your seat. No point of order. (*Interruptions*). There is no point of order. I won't allow you.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल :*

डा॰ मुरली मनोहर जोशी :*

श्री सभापति: नहीं, आप बैठिए।

श्री एस.एस. अहलुवालिया:*

डा॰ मुरली मनोहर जोशी:*

श्री जय प्रकाश अग्रवाल:*

डा॰ मुरली मनोहर जोशी:*

श्री सभापति: आप बैठ जाइए।

श्री जय प्रकाश अग्रवाल:*

श्री सभापति: माननीय सदस्य अपनी सीट पर जाइए। ...(व्यवधान)...अपनी सीट पर जाइए। ...(व्यवधान)... मैं आपसे इतना निवेदन करना चाहता हूं कि अगर क्वैश्चन आवर को पोस्टपोन करने की कोई व्यवस्था नहीं होती, तो रूल्स में इसका उल्लेख नहीं होता। रूल्स में इसका उल्लेख है कि कोई माननीय सदस्य अगर चाहें, कोई ऐसा इम्पोर्टेंट मैटर हो, जो हाऊस में बताया जाए और उसके आधार पर क्वैश्चन आवर को पोस्टपोन कराना चाहें, तो नोटिस दे सकते हैं।

श्री जय प्रकाश अग्रवाल:*

श्री सभापति: नहीं, टाइम नहीं लिखा हुआ है कि बारह बजे किया जाए। Please take your seat ...(*Interruptions*)...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल:*

*Not recorded

श्री सभापति: अगर क्वैश्चन आवर पोस्टपोन नहीं हो सकता था, तो रुल्स में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं होती। व्यवस्था है, उस व्यवस्था के अंतर्गत इन्होंने नोटिस दिया है। नोटिस देकर, क्यों नोटिस दिया है, उसके रीजन्स अगर बता रहे हैं, तो उन रीजन्स को आपको सुनना चाहिए। सुनने के बाद अपने रिएक्शन और रूलिंग देना है।

श्री संतोष बागड़ोदिया:*

श्री सभापति: नहीं, बोल दिया या नहीं बोल दिया, यह मत कहिए। आप बोलने दीजिए।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:*

श्री एस.एस. अहलुवालिया:*

श्री सभापति: आप भी धैर्य रखिए। ...(व्यवधान)... बैठिए।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:*

श्री सभापति: मैंने कोई व्यवस्था नहीं दी है अभी। ...(व्यवधान)... मैंने कोई व्यवस्था नहीं दी है। ...(व्यवधान)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:*

श्री सभापति: मैंने व्यवस्था नहीं दी है अभी। ...(व्यवधान)... बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... मैंने कोई व्यवस्था नहीं दी है, मैंने तो केवल रुल कोट किया है। ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY:*

SHRI SANTOSH BAGRODIA:*

SHRI JAI PRAKASH AGGARWAL:*

श्री सभापति: आप बोलिए। ...(व्यवधान)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU:*

SHRI YASHWANT SINHA:*

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I will, in a moment...(*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY:*

SHRI JASWANT SINGH: It is possible. ...(*Interruptions*)... Sir, it is entirely possible. I agree, Sir. ...(*Interruptions*)... And, I will come in a moment to why we have some difficulty with the hon. the Home Minister's entire approach to it—and that is why this suspension—and, also, in a moment, to what the hon. the Chief Minister of the State said and why that

*Not recorded

is a matter of difficulty to us. And, I am, entirely ready to accept that some of you may well have a disinclination to stand up and do what a fight against terrorism requires us to do. It is also possible that you are disinclined to stand up and condemn what has happened in Doda, earlier today. It was... (*Interruptions*)...

SHRI JANARDHANA POOJARY:*

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया:*

SHRI JANARDHANA POOJARY:*

श्री सभापति: आप बोलिए। ...(व्यवधान)...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, if the hon. Member spoke with ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज:*

श्री राजीव शुक्ल:*

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया:*

SHRI JASWANT SINGH: Sir, if the hon. Member from Karnataka could only speak with little less **, and little less gesture of the hands, then, it would be far more comprehensive. ...(*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANASAMY: *

WELCOME TO PARLIAMENTARY DELEGATION FROM TAJIKISTAN

श्री सभापति: माननीय सदस्य, एक मिनट बैठिए। ...(व्यवधान)... Please take your seats. ...(*Interruptions*)... Hon. Members, I have an announcement to make:

We have with us, seated in the Special Box, Members of a Parliamentary Delegation from Tajikistan, currently on a visit to our country under the distinguished leadership of his Excellency Mr. Saidullo Khairulloev, Chairman of the Majlisi Namoyandagon of Majlisi Oil Tajikistan.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a hearty welcome to the Leader and other Members of the Delegation and which our distinguished guests an enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during their stay here they would be able to see and learn more about our Parliamentary system, our country and our people, and that their visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between India and Tajikistan. Through them,

*Not recorded

*Expunged as ordered by the Chair.